

FEBRUARY 2020

RAINBOW SATHI

ரெனபோ சாதி

नाउम्मीदी भरे हालात से निकली हमारी
जिंदगियों को चाहिए कुछ नए मायने

COMING FROM HOPELESS CONDITIONS,
OUR LIVES NEED A NEW MEANING

We get
motivated
and inspired
G Sravani



I got all my
opportunities
here

**Monika
Santosh
Jagadale**



Will be
able to
fulfil my
dreams
Pranjal



It is a
great
learning
experience
T Pavani



Rainbow
Home



We all live
together as
a family

**Hemant &
Nifish**



TEAM Work

Year 3, Issue 15
February 2020

EDITOR IN CHIEF
BHASHA SINGH

ADVISORY BOARD

T.M. KRISHNA
K. LALITHA,

GEETA RAMASWAMY
K. ANURADHA

EDITORIAL BOARD

CHANDA
(DELHI)



SAHITYA
(HYDERABAD)



SHIVAM
(PATNA)



S KUMAR
(HYDERABAD)



AMBIKA, DEEPTI
BEZWADA WILSON

SUMMI MUNIR, DELHI



DEEPAK AMAN, DELHI



SABITHA, HYDERABAD



A KUMAR, HYDERABAD



NAGA LAXMI, HYDERABAD



BHAVANI, CHENNAI



ARUN KUMAR, PATNA



CHAMPA KUMARI, PATNA



SOMNATH CHAUHAN, PUNE



CHILD JOURNALIST

SAVITRI, BANGALORE



KEERTHANA, BANGALORE



SUBHASHREE, KOLKATA



KABITA, KOLKATA



RIYAZ ANSARI, PATNA



CHANDA KUMARI, PATNA



AMITA KUMARI, PATNA



ASHA KUMARI, PATNA



SHERNISHA, CHENNAI



CITIZEN JOURNALIST

ARTI SINGHASAN, DELHI

DIVYA, HYDERABAD

CHAKRAVARTHY KUNTOLLA, HYDERABAD

PRIYADHARSHINI, CHENNAI

JOYTI KUMARI, PATNA

AMRUTA, BANGALORE

KANCHAN PASWAN, KOLKATA

SUPPORT TEAM

PRISCELLA
KOLKATA

SHINY VINCENT
BANGALORE

SRILATHA MORAMPUDI
PUNE

NANKI
DELHI

SHADAN
PATNA

KRANTHI
HYDERABAD

SIVAGAMI
NATARAJAN
CHENNAI

BABU S
HYDERABAD

SAKSHI TIWARI
HYDERABAD

Design:
ROHIT KUMAR RAI

Editor's Column

हम बोले दुनिया सुने...

दोस्तो

रेनबो साथी एक रंगविरंगा गुलदस्ता है, जिसमें अनगिनत रंगों के फूल खिलते हैं, अनगिनत खुशबू बिखरते हैं। हमारी विविधता ही हमारी ताकत है और यही हमारी मजबूती है। इस पर हमें गर्व है। अपनी इस पत्रिका के जरिए हम अलग-अलग भाषाओं में—अंग्रेजी, तेलुगू, तमिल, कन्नड, मराठी, बांग्ला, हिंदी और उर्दू में अपने विचार रखते हैं। हम अपनी मातृभाषा में बात करते हैं पूरे मन से और बाकी भाषाओं में इसका अनुवाद करते हैं। ऐसा करने की सबसे बड़ी वजह यह है कि हम चाहते हैं हमारी बात अलग-अलग राज्यों में चलने वाले होम तक तो पहुंचे ही साथ ही बाकी दुनिया भी जाने और समझे। हम चाहते तो सिर्फ एक ही भाषा या दो भाषाओं में लिख सकते थे, लेकिन यह सही नहीं होता। ऐसा कहके हम एक भाषा के ऊपर दूसरी भाषा को थोपते। एक भाषा को बड़ा मानते और दूसरी को उससे कम। ऐसा करना अन्याय है। जिस भाषा में हम सोचते हैं, जिसमें हमें रोना-हंसना आता है—उसी भाषा या बोली में जब हम बोलते हैं व लिखते हैं, तो वह बहुत ताकतवर होता है। साथ ही हमें यह भी पूरा विश्वास है कि हमारे पास कहने और

बताने के लिए इतना अधिक है कि उससे कई महाग्रंथों की रचना हो सकती है। हमारे अनुभव, हमारा जिया हुआ सच ही हमारे समाज की असली स्थिति को दर्शाता है। ये हम बताकर ही रहेंगे।

एक और ज़रूरी बात यह है कि हमारे ज़िंदगी में रेनबो होम ने जो भूमिका अदा की है, यह अनूठी है। इसके बारे में भी तो सबको पता होना चाहिए। अधिकार और देखरेख का कैसा संतुलन धूल में पड़े जीवन को चमकाता है—ये मिसाल भी सारे समाज के सामने आनी चाहिए। इसके बारे में भी हमारे अलावा और कौन लिख सकता है—कोई नहीं। यह बेहद खामोशी के साथ होने वाला परिवर्तन है—जो अनगिनत ज़िंदगियों को संवार रहा है। हमारी ज़िंदगी से सीधे जुड़ी हुई हैं हमारे मां-बाप, हमारे परिजनों की ज़िंदगियां।



उनमें भी बहुत सकारात्मक परिवर्तन आया है। उन्हें हमारे भीतर आशा दिखाई देती है। उन्हें लगता है कि बहुत कुछ बदला जा सकता है। ये आस होना बेहद ज़रूरी है। यही इंद्रधनुष है, हमारा रेनबो- है ना!!

हम लड़ेंगे, हम जीतेंगे !!!

We speak world listens

Friends

Rainbow Sathi is a colourful vase, filled with flowers of infinite colours. Flowers, which spread infinite fragrances all around. Our diversity is what binds us together, what makes us stronger. And we are proud of it. Through this magazine, we are able to express our opinions in different languages- English, Telugu, Tamil, Kannada, Marathi, Bengali, Hindi and Urdu. We converse freely in our native languages and translate in the others. The main motive behind this is that our stories should not only reach the Homes in various states, but the whole world too, so that they can read and understand. If we wanted, we could have simply printed the magazine in just one or two languages. But that would not have been right. By doing so, we would have been imposing one language on the other. Saying one language is superior than another is an act of grave injustice. The language in which we form our thoughts, in which we feel all our joys and sorrows,

when used by us to voice our opinions, makes our words extremely powerful and impactful. Also, we completely believe that the number of things we want to speak and write is huge enough to fill many epics. Our stories, our experiences, our lived truths are what depict the accurate conditions of our society.

Another particularly important thing to put out is the role played by Rainbow Home in our lives- it is so unique. People should be aware of that too. How the balance between rights and care polished our lives- this precedent should be laid out in front of the whole world. Who is going to write about all of this except for us? Nobody. This is a quiet and gradual change- a change that has been transforming thousands of lives. Our lives are directly linked to those of our parents and our ancestors. Even they have had a very affirmative change. They see hope in us. They believe that a lot can be reformed. This confidence is extremely necessary. This is our kaleidoscope, our rainbow. Isn't it!

WE SHALL FIGHT, WE SHALL WIN!!!

Handwritten signature

EXPERIENCES AT TEDX



G Sravani,
ARUN Rainbow Home,
Hyderabad

Inspiration to rework upon failures

I am not new to TEDx Hyderabad and it was my second chance to attend it from Rainbow Home. It is a place to get motivated and inspired for a lifetime. The theme this time was- Limitless. I enjoyed listening to all the speakers but story of IPS RS Praveen Kumar gave me some high motivation. He spoke about his mother, and how she transformed herself from a labourer to a govt teacher and then brought up kids to make them IPS officer and doctor. Now that he is an IPS officer and earning a good salary, he can also just enjoy his life and position. He had a choice of leading his life without thinking about underprivileged people and children from backward communities. But then he consciously made his choice and became a change maker. At TEDx Hyderabad he received a standing ovation for his good work. I also liked his quote- "If not now, then why? If not you, then who? Rediscover your identity, transform the community". I also liked inspiring story of Olympian Neha Agarwal who bounced back after four years and became a champion. Her story made me rethink and rework on my patience towards any failures. It was almost like a limitless experience for me.

अपनी नाकामयाबियों पर काम करने की प्रेरणा

टेडेक्स हैदराबाद मेरे लिए नया नहीं था क्योंकि मैं रेनबो होम की तरफ से दूसरी बार उसमें हिस्सा ले रही थी। यह वो जगह है जहां से आपको नई प्रेरणा मिलती है। वैसे तो मुझे सभी को सुनने में बहुत मजा आया लेकिन आईपीएस प्रवीण कुमार की कहानी से मुझे काफी प्रेरणा मिली। उन्होंने अपनी मां के बारे में बताया कि कैसे वह मजदूरी करते-करते एक सरकारी स्कूल में टीचर बन गईं और फिर उन्होंने अपने बच्चों को पढ़ाकर आईपीएस अफसर और डॉक्टर बनाया। अब जबकि वह खुद आईपीएस अफसर हैं और अच्छा वेतन पाते हैं तो वह अपने पद व हैसियत का मजा उठाते हुए आराम से रह सकते हैं लेकिन उन्होंने खुद को बदलाव का वाहक बनाया और पिछड़े वर्गों के बच्चों के लिए काम करना शुरू किया। टेडेक्स में सबने उनके काम की तारीफ की। मुझे ओलंपियन नेहा अग्रवाल की भी कहानी काफी प्रेरणादायक लगी जिन्होंने चार साल बाद वापसी की और चैंपियन बनी। उनकी कहानी ने मुझे अपनी नाकामयाबियों पर फिर से काम करने का हौसला दिखाने के लिए प्रेरित किया।



Hemant Sai, 11th Std and Nitish Kumar 7th Std, Ummeed Aman Ghar, Delhi

Give respect and earn as well

Nitish: I love to respect others and similarly like to get some respect in return. What I like about Rainbow Homes is that there is no discrimination here and we celebrate all festivals together. That is the reason that I feel very bad when there any sort of discrimination among people whether it is due to gender or due to religion.

Hemant: At Rainbow Home we live together as family. That is the reason, we call our teachers here as Bhaiya and Didi. I like making friends because friends never let you feel lonely. If you have friends as well as family members behind you than it gives you encouragement. But, at many times elder family members will scold kids. This isn't good. Kids should be treated with love. I also feel bad when different sections of society are not treated equally. There are many sorts of discrimination. I also feel rattled when people don't take care of environment.



इज्जत करना और इज्जत पाना है अच्छा

नीतीश: मुझे अपने जीवन में दूसरों की इज्जत करना अच्छा लगता है और यह भी अच्छा लगता है कि मेरी भी सब इज्जत करें। होम में मुझे यही सबसे अच्छी बात लगती है कि यहां किसी तरह का कोई भेदभाव नहीं है और हम सब सारे त्योहार मिलकर मनाते हैं। इसीलिए मुझे तब बहुत खराब लगता है जब कोई किसी तरह का भेदभाव करता है, जैसे कि लड़के-लड़की का भेद। इसी तरह धार्मिक भेदभाव देखकर भी मुझे बुरा महसूस होता है।

हेमंत: होम में हम सब एक परिवार की तरह रहते हैं। इसीलिए हम यहां पढ़ाने वाले अध्यापकों को भी दीदी व भैया कहकर बुलाते हैं। मुझे वैसे भी दोस्त बनाना बहुत पसंद है क्योंकि दोस्त आपको जीवन में कभी अकेलापन महसूस नहीं होने देते। मेरे दोस्त व परिवार, सब साथ हों तो इससे अच्छी बात ही क्या, क्योंकि ये सब मुझे हौसला देते हैं। लेकिन कभी-कभी परिवार के लोग छोटी-छोटी गलतियों पर भी डांट देते हैं। यह ठीक नहीं। डांटने के बजाय छोटों को प्यार से समझाना चाहिए। दिक्रत तब भी महसूस होती है जब समाज में सभी लोगों को बराबरी के नजरिये से नहीं देखा जाता, कई तरह के भेदभाव बरते जाते हैं। मुझे तब भी खराब महसूस होता है जब आजकल लोग पर्यावरण को ज्यादा महत्व नहीं देते।

जिंदगी

समाज एक रास्ता है...
चलना तुमको है
रास्ते तो दो हैं-
एक तरफ अच्छाई का तो दूसरी तरफ बुराई
अच्छाई की राह पर चलना तुम
देती वह प्यारी सी जिंदगी
हो जितनी भी कठिनाई



बुराई राह पर न चलना तुम
बुराई की राह में दो पल की खुशियां हैं
तो जिंदगी भर का दर्द भी है
बस चुननी है तुमको एक सही राह
जिंदगी बनाने के लिए!

-हेमंत

SOCIETY IS CHANGING BUT A LOT IS STILL NEEDED

समाज बदल रहा है लेकिन अभी जरूरत और भी है

More options now for children and women



Vijay M,
10th std, Bangalore

I like the fact that our government has made education mandatory for all the children. This helps every child to go to school and get education. Besides, many parents who fall in financially weaker section category are also able to send their children to Govt schools to study for free – and this has helped them immensely. Government also prohibits child labor, and this has helped in fight against child labor to a greater extent. This tries to ensure that a child grows happily in a healthy environment. Another dimension to it is introduction of child rights which is extremely beneficial to a growing child. Further, many hostels and childcare institutions are set up which provide them with required protection, health care and education.

I also like the freedom that today's society is trying to give to women. Earlier they had to face too much of restrictions from the family and society and now it is getting unshackled. Earlier restrictions gave way to sexual exploitation of women; however, now the govt and the legal system in our country has taken various measures to curb it out and this is a positive aspect. Among other aspects which I like in the society is the increasing number of people who are getting into the farming profession as this gives a boost to the agriculture industry; and, the benefits of staying in a joint family that promotes the culture of living together in harmony.

बच्चों व महिलाओं के लिए अब हैं ज्यादा मौके

मुझे यह तथ्य पसंद आ रहा है कि हमारी सरकार ने बच्चों के लिए शिक्षा को अनिवार्य कर दिया है। इससे हर बच्चे को स्कूल जाने और शिक्षा लेने में मदद मिलेगी। इससे उन अभिभावकों को भी मदद मिलेगी जो आर्थिक रूप से कमजोर हैं और वे भी अपने बच्चों को मुफ्त में शिक्षा हासिल करने के लिए सरकारी स्कूलों में भेज सकेंगे। सरकार ने बाल मजदूरी को भी प्रतिबंधित कर दिया है और इससे इस बुराई से लड़ने में काफी मदद मिलेगी। इससे यह भी सुनिश्चित किया जा सकता है कि हर बच्चा एक स्वस्थ माहौल में विकसित हो सकता है। इसके अलावा बच्चों की देखरेख के लिए कई हॉस्टल व संस्थान काम कर रहे हैं जो उन्हें जरूरी सुरक्षा, स्वास्थ्य

Class, caste and religious differences still a worry

But there are still many issues that I dislike. Among all the issues, the discrimination that still prevails in the society pertaining to class, caste, religion, and gender are among the foremost. Besides, exploitation and harassment of women and children disturbs me a lot, along with child trafficking which is leading them into darker world. We need to make women in the society feel protected and safe. Lastly, extreme usage of mobile phones is also creating many problems at various levels. This needs to be checked.

जाति, वर्ग व धर्म के भेद अब भी चिंताजनक

लेकिन समाज में नापसंदगी वाले कई मुद्दे अब भी हैं। इनमें सबसे बड़ा है वर्ग, जाति, धर्म व लिंग के आधार पर होने वाला भेदभाव। इसके अलावा महिलाओं व बच्चों का शोषण भी मुझे बहुत परेशान करता है। बच्चों की खरीद-फरोख्त का सिलसिला उन्हें अंधेरी दुनिया में धकेल देता है। हमें चाहिए कि हम औरतों व बच्चों को ज्यादा सुरक्षित महसूस करा सकें। आखिर में, मोबाइल फोन का अत्यधिक इस्तेमाल भी कई स्तर पर मुश्किलें खड़ी कर रहा है। इस पर भी काबू पाए जाने की जरूरत है।

देखरेख व शिक्षा उपलब्ध करते हैं।

यह देखकर भी अच्छा लग रहा है कि इन दिनों समाज में महिलाओं को ज्यादा आजादी देने की कोशिश हो रही है। पहले उन्हें परिवार के भीतर व समाज में काफी बंधनों का सामना करना पड़ता था। ये बंधन अब टूट रहे हैं। पहले महिलाओं को काफी शोषण का सामना करना पड़ता था। अब उसे रोकने के लिए भी काफी कदम उठाए जा रहे हैं। समाज में अब बड़ी संख्या में नए लोग खेती के काम में जुट रहे हैं। इससे कृषि क्षेत्र को बढ़ावा मिलेगा। हमारे समाज की एक और अच्छी बात यहाँ की संयुक्त परिवार व्यवस्था है जिससे आपस में प्रेम से साथ-साथ रहने की संस्कृति को बढ़ावा मिलता है।

My life got all the opportunities after coming to RAINBOW HOME



Monika Santosh Jagadale, 16 yrs,
11th STD, New Vision Rainbow Home, Mangalwar Peth, Pune

My name is Monika. I have an elder sister & a younger brother. Earlier I was living with my parents. I have been living in Pune since my childhood. Initially, I didn't give much thought to my situation. My father was alcoholic. He never took care of the family. My mother worked as a domestic help and she was the only source of livelihood to fulfill our basic needs. Father would not pay for household expenses and instead always bothered all of us. We had kerosene stove for cooking. We never used to get timely kerosene for cooking and on many occasions, we will spend whole day without getting any food. One day my father was very drunk and had a big fight with my mother. He started beating her with a stick. We tried to stop him but couldn't. Neighbors also tried to intervene but failed. Finally, along with mother we had to leave that place and moved somewhere else. Father used to come there too once in two months and fights would continue. He would still beat my mother. After some time, mother sent my elder sister to a distant relative in village as it was getting difficult for her to look after us alone.

Then my mother started looking for a free hostel to have a safe place for me where I could continue my studies. Lata Madam (where my mother used to work) told us about Vandana Madam (social mobiliser of the Rainbow Home). Vandana madam visited our house along

with Ashumati Madam. Finally I was given admission at New Vision Rainbow Home in 2016. Initially when my mom told me that I had to go to Rainbow Home, I felt scared thinking that I will miss mother. But after coming to

Rainbow Home, I realized how much care I am receiving from Rainbow Homes staff. They are so lovely. They never beat any kid. Here I can study & play properly without any disturbance like the one I used to face on streets. I sit quietly to feel the peace. My fears have gradually subsided. Now it has been four years since I came to Rainbow Home.

I participated in various activities after coming here. I have got many opportunities to showcase my talent in fields like football, swimming, gymnastics, dance and art & craft etc. In gymnastics, I had the opportunity to participate

at national, state and district level events. I also got a gold medal in karate at national level. So far, I have participated on six occasions at the district level and on four occasions at the state level. I have also won total twelve medals. I had opportunities to go to various places to take part in karate events and that

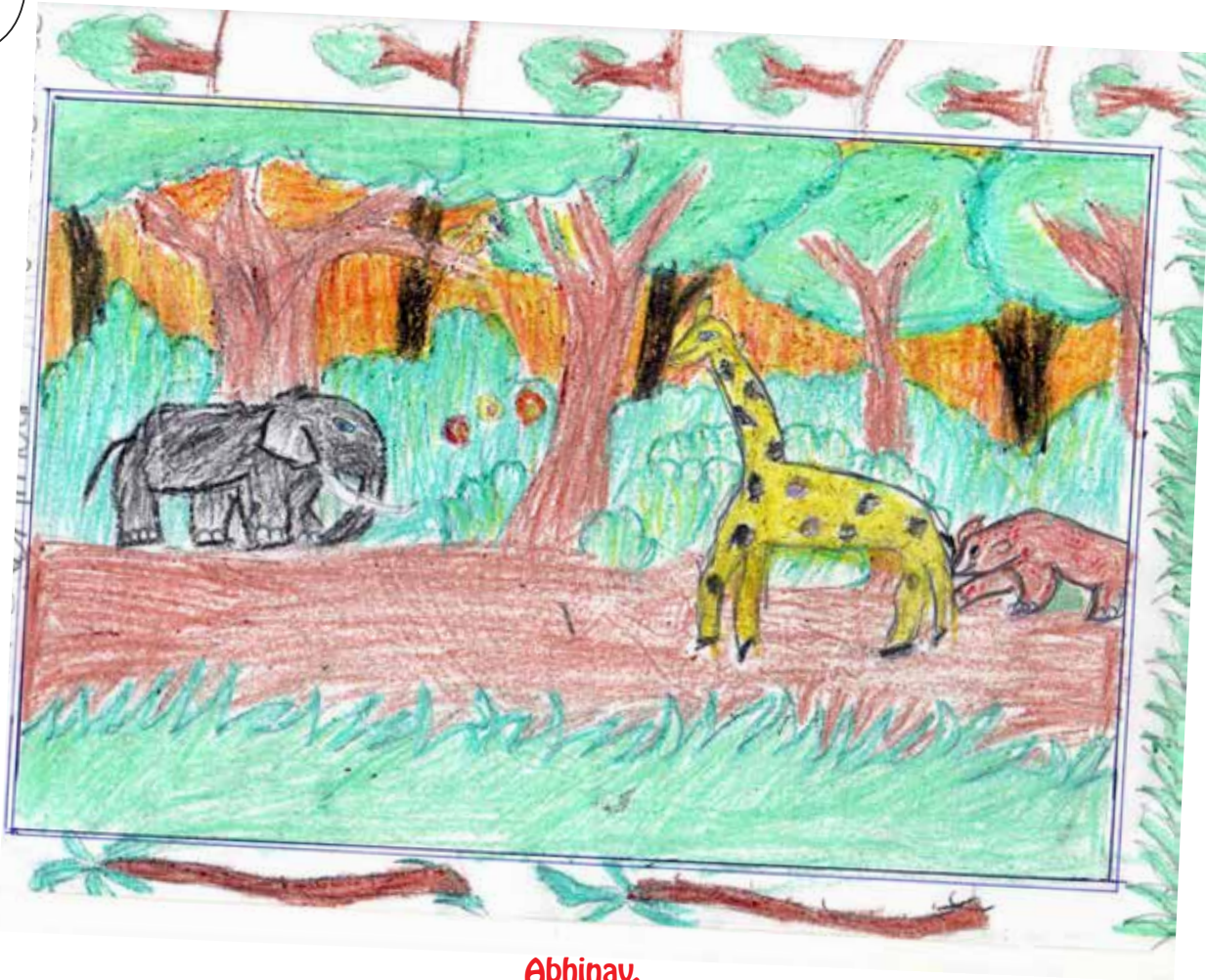
gave me a good exposure. I was also selected in football team. I do yoga very well. During the summer camp, we take part in variety of activities. We go for a trip once or twice a year. Nothing of all these would have been possible if I had not come to Rainbow Home. Having reached in 11th class, I am loving more and more my stay at Rainbow home.

रेनबो होम आने के बाद मिले जीवन में सारे अवसर

मेरा नाम मोनिका है। मेरी एक बड़ी बहन है और एक छोटा भाई। पहले मैं अपने माता-पिता के साथ रहती थी। मैं शुरू से पुणे में ही रहती आई हूँ। पहले मैंने कभी अपनी स्थिति के बारे में सोचा ही नहीं था। मेरे पिता खूब शराब पीते थे। उन्होंने कभी परिवार का ख्याल नहीं रखा। मेरी मां घरों में काम करती थी और सारा खर्चा चलाती थी। पिता कभी कोई खर्च नहीं उठाते थे और उल्टे हमें परेशान करते थे। हमारे घर में केरोसिन स्टोव पर खाना पकता था। लेकिन हमें समय पर केरोसिन नहीं मिल पाता था और कई बार पूरा दिन बिना खाना खाये निकल जाता था। एक बार मेरे पिता ने खूब शराब पीने के बाद मां से काफी झगड़ा किया और उसे छड़ी से पीटा। हमने रोकने की बहुत कोशिश की लेकिन कुछ कर नहीं पाए। पड़ोसियों ने भी बीच-बचाव करने की कोशिश की लेकिन कामयाब न हुए। आखिरकार, मां ने हम बच्चों को लेकर घर छोड़ दिया और दूसरी जगह रहने लगी। महीने-दो महीने में पिता वहां भी आ जाते और मां से झगड़ा करते, पिटाई करते। कुछ समय बाद जब मां को लगा कि उनके लिए अकेले हम सबका ख्याल रखना मुश्किल हो रहा है तो उसने मेरी बड़ी बहन को दूर के एक रिश्तेदार के पास गांव भेज दिया।

तब मेरी मां ने मेरे लिए एक मुफ्त हॉस्टल की तलाश करनी शुरू कर दी जहां रहकर मैं पढ़ाई कर सकूँ। मेरी मां जिन लता मैडम के यहां काम करती थी उन्होंने रेनबो होम की सोशल मोबिलाइजर वंदना मैडम के बारे में हमें बताया। फिर वंदना मैडम और एक अशुमति मैडम हमारे घर आईं। फिर 2016 में मुझे न्यू विजन रेनबो होम में दाखिला मिल गया। शुरू में तो जब मेरी मां ने मुझे बताया कि मुझे रेनबो होम में रहना होगा तो मुझे डर लगा, मुझे यह भी लगा कि मैं मां के बिना कैसे रहूँगी। लेकिन जब मैं रेनबो होम आ गई तो मुझे अहसास हुआ कि यहां रेनबो होम स्टाफ बच्चों का कितना ध्यान रखता है। वे सब कितने अच्छे हैं, कभी किसी बच्चे की पिटाई नहीं करते। यहां मैं पढ़ाई कर सकती हूँ और खेल सकती हूँ, बगैर किसी व्यवधान के जैसा मुझे सड़कों पर झेलना पड़ता था। यहां मैं सुकून से एकांत में बैठ सकती हूँ। मेरे मन के सारे डर अब निकल चुके हैं। मुझे रेनबो होम में आए चार साल हो चुके हैं।

यहां मैं कई गतिविधियों में हिस्सा लेती हूँ। मुझे फुटबाल, स्विमिंग, जिमनास्टिक्स, डांस, कला आदि क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका मिलता है। जिमनास्टिक्स में मैंने जिला, राज्य व राष्ट्रीय स्तर पर मुकाबलों में हिस्सा लिया है। कराटे में तो मुझे नेशनल लेवल पर गोल्ड मेडल भी मिला है। मैंने छह बार जिला स्तर पर और चार बार राज्य स्तर की प्रतिस्पर्धाओं में हिस्सा लिया है और कुल 12 मेडल भी जीते हैं। कराटे के कारण मुझे कई जगहों पर जाने का भी अवसर मिला है। मैं फुटबाल टीम के लिए भी चुनी जा चुकी हूँ। मैं अच्छा योगाभ्यास भी करती हूँ। गर्मियों में कैम्पों में हम कई तरह की गतिविधियों में हिस्सा लेते हैं। साल में एक-दो बार हम ट्रिप पर भी जाते हैं। मेरे जीवन में यह सब नहीं हुआ होता अगर मैं रेनबो होम में नहीं आई होती। मैं अब 11वीं क्लास में पहुंच चुकी हूँ और रेनबो होम से मुझे ज्यादा लगाव होता जा रहा है।



Abhinav,

5th STD Aman Vedika Sneh Ghar,
Bible House, Hyderabad

GREEN TREES LEAD TOWARDS PROGRESS

Nallamala forest has many huge trees and animals. We can listen to a variety of birds in the forest. Trees are very important for life, as every living being breathes air, trees give us clean air and rain. But we are cutting down trees and polluting the environment. Nallamala is also being destroyed for uranium mining. A big awareness campaign must be organised to stop this destruction. Already people are suffering due to unseasonal rain. Failing of crops is causing hunger and famine.

हरें-भरें पेड़ ही तरकी का रास्ता

नलामला जंगल में कई पेड़ हैं और वहां कई जानवर रहते हैं। हम जंगल में कई तरह के पक्षियों की आवाजें भी सुन सकते हैं। पेड़ जीवन के लिए बहुत जरूरी हैं। हर प्राणी को ज़िंदा रहने के लिए हवा चाहिए होती है और पेड़ हमें हवा व बारिश देते हैं। लेकिन हम पेड़ों को काटकर पर्यावरण को नुकसान पहुंचा रहे हैं। नलामला को यूरेनियम की माइनिंग से भी नुकसान पहुंच रहा है। इस विनाश को रोकने के लिए जागरूकता अभियान चलाना जरूरी है। बेमौसम बारिश से पहले ही लोग परेशान हैं। फसलें नष्ट होने से भुखमरी व अकाल भी बढ़ रहा है।

Learning skill with computers

Shabnam Zahid,
Kilkari Rainbow Home, Delhi

I would like to share my experience of a Vocational course that I have undertaken. I'm pursuing FD-DLM course from F-Tec at Malviya Nagar in Delhi. FD-DLM is a Diploma in Digital Learning in MIS. This is a six month course. In this course, I am also learning MS Office, Excel, Power Point, Notepad and other programmes. Currently I am working on Advance Excel. I have already given exam for the first module and now I am preparing for the examination of the 2nd module. This vocational course has also helped me in my language skills and now I have started conversing and writing in English more comfortably. My teacher is teaching me the skills to face job interviews. We are learning importance of good communication skills. I am enjoying the friendly environment here.

सीखना कंप्यूटर के साथ-साथ कौशल भी

मैं एक व्यावसायिक कोर्स का अपना अनुभव सबसे साझा करना चाहती हूँ। मैंने हाल ही में इस कोर्स में प्रवेश लिया था। यह एफडी-डीएमएम कोर्स में दिल्ली के मालवीय नगर में एफ-टेक से सीख रही हूँ। छह महीने का यह एमआईएस से जुड़ा डिजिटल लर्निंग का कोर्स है। इस कोर्स में साथ-साथ एमएस-ऑफिस, एक्सेल, पावर प्वाइंट, नोटपैड व अन्य प्रोग्राम भी सीख रही हूँ। इस समय मैं एडवांस एक्सेल पर काम कर रही हूँ। मैंने पहले मॉड्यूल के लिए इम्तिहान दे दिया है और अब दूसरे मॉड्यूल के इम्तिहान की तैयारी कर रही हूँ। इस कोर्स के दौरान मैंने भाषा भी सुधारी है और अब मैंने अंग्रेजी में बोलना व लिखना शुरू कर दिया है। यहां मुझे नौकरी के लिए इंटरव्यू का सामना करने का तरीका और संवाद का कौशल भी सीखने को मिल रहा है। मैं यहां का दोस्ताना माहौल भी पसंद कर रही हूँ।



उड़ान स्पेशल अंक की समीक्षा



और कड़ी मेहनत करनी चाहिए', 'जीवन में कुछ हासिल करने के लिए कुछ खोना भी जरूरी होता है, जैसे झुंझादा आराम, अत्यधिक सोना, अधिक आलस्य आदि'। यह अंक पढ़कर मुझे भी यही महसूस हुआ कि लक्ष्य हासिल करने की राह में अनेक बाधाएं, चुनौतियां व मुशकिलें आती हैं, लेकिन हमें उनको लेकर अपना दिल छोटा नहीं करना चाहिए। हम गिरेंगे, खड़े होंगे और फिर चल देंगे।

Many inspirational ideas

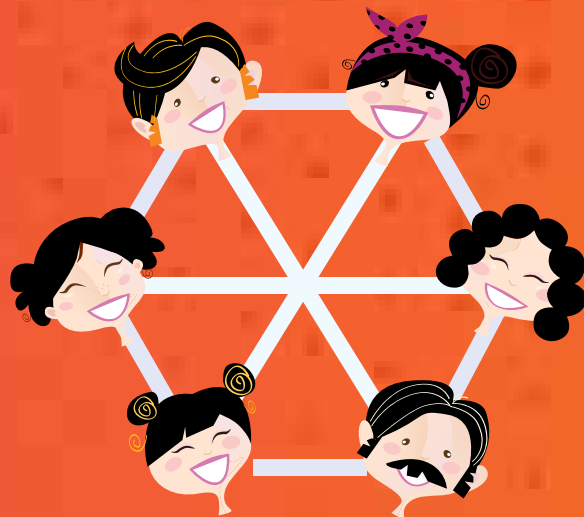
In the Udaan Special issue of our magazine Rainbow Sathi, I liked articles by Mangal Kale, Santoshi Pawar, Monika Jagdale, Nikita and Arti. They were quite inspiring. In the article "Being a good and successful human" I found many inspiring messages, such as- 'In order to be a successful and good human being one needs to get rid of all bad habits. One needs to gain the trust and confidence of others. We should always look at our future and work hard towards achieving our future goals and aspirations', and '...to achieve something in life there are many other things that need to be given up, such as watching more TV, sleeping for long hours, etc...'. After reading this issue, I also felt that there are many challenges and obstacles in the way to success. But we shouldn't feel disheartened. We fall, but we rise and walk again!



अमिता कुमारी,
12 साल, कक्षा 6, खिलखिलाहट
अमन रेनबो होम, पटना

कई प्रेरणादायक संदेश मिले

मुझे हमारी रेनबो साथी पत्रिका के उड़ान स्पेशल अंक में मंगल काले, संतोषी पवार, मोनिका जगदाले, निकिता और आरती के आलेख काफी अच्छे व मार्गदर्शन देने वाले लगे। चबनना एक अच्छा व कामयाब इंसानज आलेख में मुझे प्रेरणा देने वाले वाक्य मिले, जैसे कि- 'एक सफल व अच्छा इंसान बनने के लिए व्यक्ति को अपनी कमजोरियों से पार पाना होता है', 'हमें दूसरों का भरोसा भी जीतना होता है', 'लक्ष्य हासिल करने और अपनी आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए हमें अपने भविष्य पर निगाह रखनी चाहिए



काजल कुमारी,
16 साल, कक्षा 10,
खिलखिलाहट
अमन रेनबो होम, पटना

रिश्ते व भावनाएं

मुझे रेनबो साथी के उड़ान स्पेशल में वरालक्ष्मी द्वारा रिश्ते व भावनाओं पर लिखा आलेख बहुत अच्छा लगा। उन्होंने बहुत ही सरल तरीके से इनको परिभाषित किया है। वरालक्ष्मी ने दोस्ती, भावनाओं, सेक्सुअलिटी, झिझक, सीमाओं और जरूरतों को लेकर कई बातों को लेख में साझा किया है।

Relations and emotions

In the Udaan Special issue I liked the article on relations and emotions written by Varalakshmi. She has tried to explain this in very simple manner and shared many things including friendship, emotions, sexuality, limitations and desires.



मौसम कुमारी,
16 साल, कक्षा 10, खिलखिलाहट अमन
रेनबो होम, पटना

समझे दोस्ती के मायने

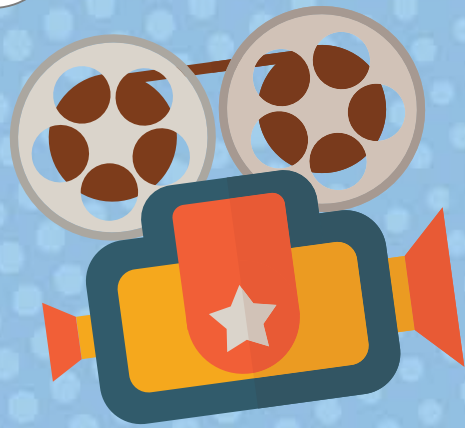
मुझे रेनबो साथी के उड़ान स्पेशल अंक में सबसे अच्छा आलेख बेंगलोर की देवी का लगा। इनके आलेख का नाम दोस्तों का साथ है, जो बहुत ही खुबसूरत व सरल तरीके से लिखा गया है। इन्होंने उड़ान वर्कशॉप के दरम्यान मिले अनुभवों को बहुत ही सरल ढंग से साझा किया है। इन्होंने दोस्ती की बड़ी खूबसूरत परिभाषा दी है। उन्होंने सही कहा कि दोस्ती एक जिम्मेदारी से व ईमानदारीपूर्वक निभाने वाली चीज है। उनका कहना था कि दोस्ती में प्रेम व साझेदारी होना तो जरूरी है ही, लेकिन सबसे ज्यादा विश्वास होना चाहिए। दोस्ती में हमें बहुत कुछ सीखने व सिखाने का मौका भी मिलता है। मेरे साथ भी कुछ ऐसा ही हुआ था जब मैं उड़ान वर्कशॉप में गई। शुरू में जब मुझे भी दोस्ती करने का मौका मिला, तो मैं दोस्त बनाने के वक्त बहुत घबरा गई थी, लेकिन जब मैंने आखिरकार दोस्ती की तो मुझे महसूस हुआ कि दोस्तों का साथ होना कितना हमारे लिए कितना जरूरी है।

What a true friendship means

In the Udaan Special issue I liked the article by Devi of Bangalore very much. Titled 'A friend indeed', article has been written in very simple but articulate manner. She has shared the experiences of Udaan workshop. She has defined friendship very beautifully. She rightfully said that friendship needs responsibility and honesty. Besides love and sharing, what we need most is faith among friends. Friendship teaches us a lot. Similar thing happened with me when I went for the Udaan workshop. Initially, I was very nervous in making new friends, but once I was able to make friends, I realized, how important it is for us to have good friends.

RAINBOW SATHI • रेनबो साथी • रॉयनबॉ साठी • गेरयिन्पोसा सात्ती • रून्बो साधि • रेइनबो साथी

RAINBOW SATHI • रेनबो साथी • रॉयनबॉ साठी • गेरयिन्पोसा सात्ती • रून्बो साधि • रेइनबो साथी



Rainbow Sathi's BIOSCOPE



दुर्गा शेट्टी
आयु: 14 वर्ष,
कक्षा: 9वीं, पुणे

मैं यहां पूरी तरह से सुरक्षित हूँ

जब मैं 8 साल की थी तब मेरी मां ने मुझे हॉस्टल में भेज दिया क्योंकि वह मेरी देखभाल नहीं कर सकती थी और मेरे लिए सड़क पर रहना सुरक्षित नहीं था। हॉस्टल की कई चीजें मुझे अच्छी नहीं लगती थी। कई बार स्टाफ के लोगों ने मेरी पिटाई की लेकिन यह बात मैंने मां को कभी नहीं बताई। एक दिन मुझे बाथरूम में बंद कर दिया गया क्योंकि मैंने नहाने में कुछ ज्यादा वक्त लिया था जिसकी वजह से मैं देर से स्कूल पहुंची थी। उस समय मैं बहुत भयभीत हो गई। बाथरूम में लाइट नहीं होने से घोर अंधेरा था। मुझे वहां एक घंटे रखा गया। इस घटना के बाद से मैं हॉस्टल में नहीं रहना चाहती थी लेकिन डर के मारे मैंने किसी को इसकी जानकारी नहीं दी। गर्मियों की छुट्टियों में घर लौटने के बाद मैंने अपनी मां को इस घटना के बारे में बताया। मां ने कहा कि वह मुझे हॉस्टल में रहने के लिए बाध्य नहीं करेगी। वह मुझे रेनबो होम ले आई जहां मेरी बहन पहले से थी। मैं रेनबो होम में बहुत खुश हूँ और पूरी तरह से सुरक्षित हूँ। यहां कोई बच्चे की पिटाई नहीं करता। यहां हम सब बहनों के तरह रहती हैं। मुझे यहां भरपेट भोजन मिलता है, मैं जो चाहूँ वह मिलता है। मैं यहां भरपूर आनंद लेती हूँ। रेनबो होम जैसी जगह और कोई नहीं है।



Asita Banu
14 yrs

9th Std, VKH rainbow home,
Bangalore

Celebrate my festival

Now a days there is opportunity to practice my religion, but in my native village it used to be difficult. There use to be tension During Eid, We celebrated the function by sharing food.. But I do not fast during the ramdhaan season as I stay with children in home from other communities also. But I feel I should also take part in the fasting. I am very happy that I have been given freedom to celebrate the occasion of my religion. And I am able to go to school and study, whereas in my village there are girls of my age who are staying at home and are not allowed to go to school. They get married at a early age.

त्यौहार मनाने की खुशी

इन दिनों मुझे अपना त्यौहार मनाने का मौका मिल रहा है। ईद पर हम सब मिलबांट कर खाना खाते हैं। मेरे गांव में ऐसा नहीं था। वहां तनाव हो जाता था, यहां में होम में तमाम बच्चों के साथ मिलकर खुशी मनाती हूँ। मुझे पढ़ने और स्कूल जाने की आजादी है।



Ch. Pavankumar
9th std

Snehghar (Boys home
Balatejassu) Hyderabad

Wither away Untouchability

Even after 70 years of Independence, curse of Untouchability is prevalent. In my Zaheerabad area, landless labourers will stand in line to take their wages and the person from the dominant caste will make sure that while receiving money they don't touch his hand. Similarly, a house which is generally built by labourers who are mostly Scheduled Castes, and after finishing, they are not allowed to enter the house. untouchability is most ridiculous thing.

Similarly, my friend Ganesh told that in his village Schedule castes people are not allowed to enter temples. In all rituals this discrimination exists.

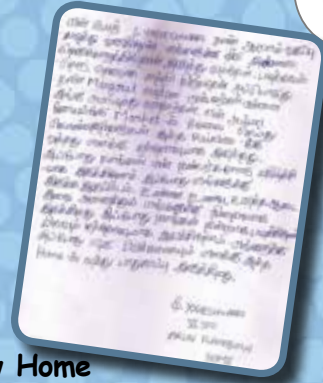
In olden days ,people of oppresd caste like Madiga, Mala were not touched by the upper caste people. I read that even their shadow was is not allowed. This very inhuman.

My favorite leader is Dr.Ambedkar who was born in the SC community but fought against untouchability . He provided reservation to the Untouchables and by this, these lower caste people also got some jobs and developed.

We have to end untouchability. Only than we all can live with equality and self respect.



S. Yogeswari
class-6th, ARUN Rainbow Home
Chetpet - Chennai



NOW I FEEL SECURE

We didn't have house to stay therefore we used to live on the streets. I had no education. I roamed on streets, begging and eating leftovers. Margaret mam from Rainbow Home came to our place in Koyambedu Market - Chennai where my mother was working. Then she brought me to Rainbow Home. I felt very happy after coming to the Rainbow Home. We are having good time here with our friends All our needs are fulfilled. Now I am studying well. we feel secure in the Rainbow Home and want to achieve big goals.



Amita Kumari, Class-3
Girl's home, Rajvansi Nagar, Patna.

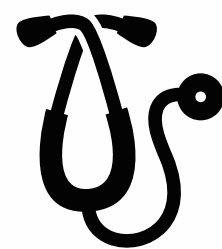
आया बदल

आया बदल आया बादल
मस्ती भरकर लाया बादल
तरह तरह के चित्र बनाएं
जोर जोर से पानी बरसायें

लंबे लंबे बूँदें टपकायें
किसानों के खेत लहराएँ
जब आती है कमरे में पानी
सबको याद आती है नानी

चून्नु मुन्नु गुड्डू आओ
बोरा छतरी को भी लाओ
देखो नाच रहा है मोर
जब होते रातों के भोर

नदी नहर भी भर जाएँ
सड़क गली में कीचड हो जाये
कचरे को भी साथ ले जाएँ
बरसात है सबको भाये

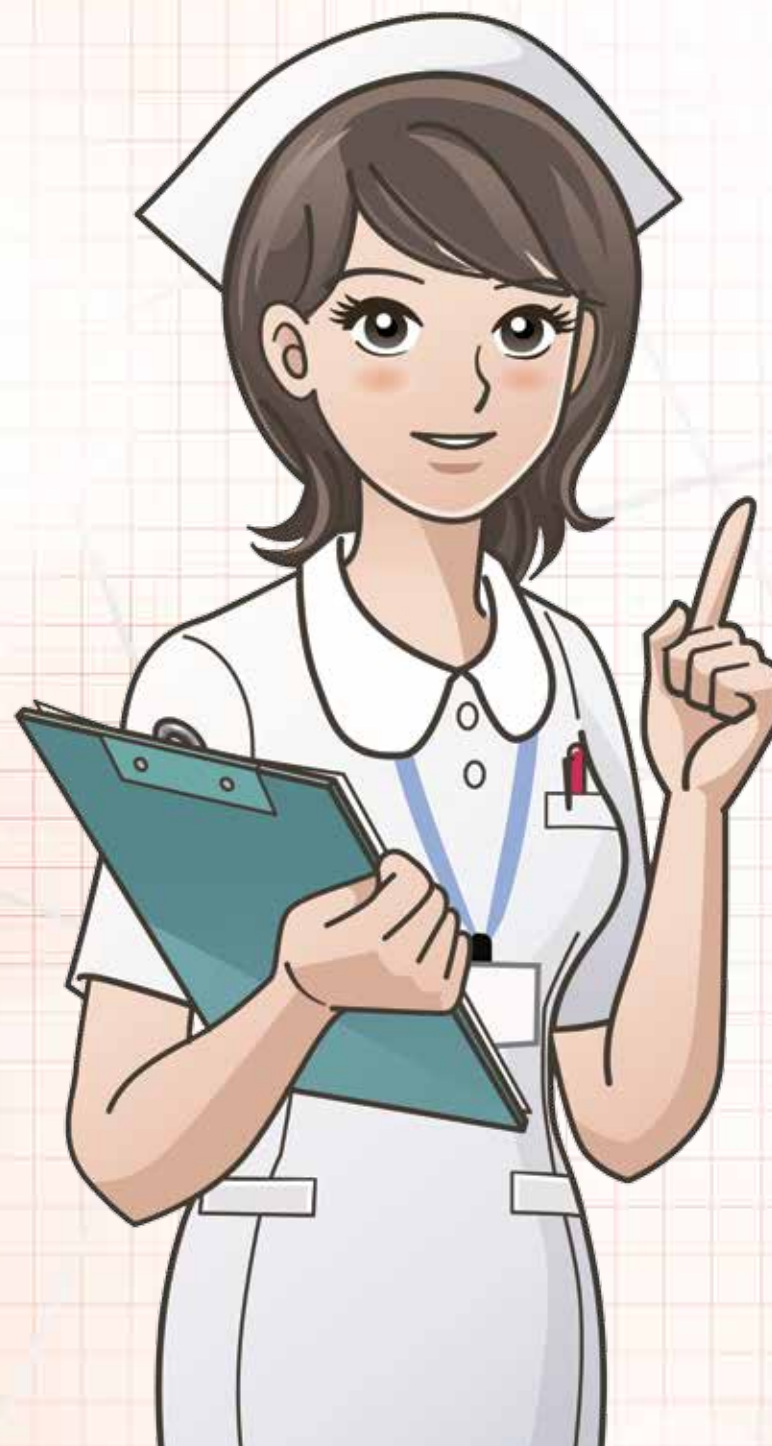


Pranjal Kaluram Mhalungkar,
8th Std, Prerana Rainbow
Home, Pune

I dream to become a NURSE

I don't have parents. My cousin used to take care of me. She worked hard to get me and my brothers some sort of education. Although, I had grandparents and other brothers and sisters also living together. My cousin used to take care of everyone by working in field whole day and then sewing clothes in night. She did all the chores in the house as well, and will make me prepared for Tai's class. She would always use to say us that it is our time to learn and become big and get upon our feet.

One day in a parent's meeting



at Preranatai's class, I was introduced to Prabha Tai.

My cousin had accompanied me to the meeting. During those days, looked quite weak as per my age. When I told that I was in the seventh class, no one believed me initially. I was told about Rainbow Homes and all the care and facilities that kids get there. Initially I was scared but when Prabha Tai asked me if I wanted to go then I said, yes. My cousin also agreed to send me. We were asked if we wanted to see the home first. Along with us the Kalyanitai and Priyankatai from Preranatai's class also went to see the place.

Finally, I came to Home on 13th June. Girls welcomed me with a gift. I liked everything here. We have all the facilities. Now I participate in many activities at Home. All my sisters love me very much. Home mother cooks a nice meal. I am able to get everything here which I never got at my own home. I want to become a nurse in future. I have come from a background where many people get sick, but they do not get good treatment as it is very costly. I want to help poor with good health facilities. I hope I will be able to fulfill my dream with inspiration from Rainbow Home.

मेरा सपना एक नर्स बनने का है

मेरे माता-पिता नहीं हैं। मेरी चचेरी बहन मेरा ख्याल रखती थी। मुझे व मेरे भाइयों को पढ़ाने के लिए वह काफी मेहनत करती थी। मेरे दादा-दादी भी हैं और बाकी चचेरे भाई-बहन भी जो सब साथ रहते हैं। मेरी चचेरी बहन सबका ख्याल रखती है, वह दिन में बाहर काम करती है और रात में सिलाई का काम करती है। ह घर का भी काम करती है और मुझे क्लास के लिए भी तैयार किया करती थी। वह हमेशा हमें कहती थी कि यह समय हमारे सीखने का है और हमें अपने पांवों पर खड़े हो जाना चाहिए।

एक दिन प्रेरणाताई की क्लास में पेरेंट्स मीटिंग के समय हमें प्रभा ताई से मिलाया गया। उस समय मैं उम्र के हिसाब से काफी कमजोर लगा करती थी। मैंने जब बताया कि मैं सातवीं क्लास में हूँ तो किसी को यकीन ही नहीं हुआ। प्रभाताई ने हमें रेनबो होम के बारे में बताया। यह भी बताया कि वहाँ बच्चों का ध्यान रखा जाता है और सारी सुविधाएं भी मिलती हैं। पहले तो मुझे डर लगा लेकिन जब प्रभा ताई ने मुझसे पूछा तो मैंने जाने के लिए हाँ कह दी। प्रभा ताई ने पूछा कि क्या हम पहले होम देखना चाहते हैं। फिर हमारे साथ प्रेरणाताई की क्लास से कल्याणीताई और प्रियंकाताई भी होम देखने गए।

आखिरकार 13 जून को मैं होम आ गई। यहां सब ने गिफ्ट देकर मेरा स्वागत किया। मुझे यहां सबकुछ बड़ा अच्छा लगा, सारी सुविधाएं भी हैं। मैं होम में सारी गतिविधियों में हिस्सा लेती हूँ। सभी बहनें मुझे बहुत प्यार करती हैं। खाना भी बहुत अच्छा बनता है। मुझे घर में जो कुछ नहीं मिला, यहां सब मिल जाता है। मैं बड़ी होकर नर्स बनना चाहती हूँ। मैं जहां से आई हूँ वहां लोग बहुत बीमार हो जाते थे और इलाज कराने के लिए उनके पास पैसा नहीं होता था। मैं गरीबों के इलाज में मदद करना चाहती हूँ। मुझे लगता है कि रेनबो होम की प्रेरणा से मेरा यह सपना पूरा होगा।

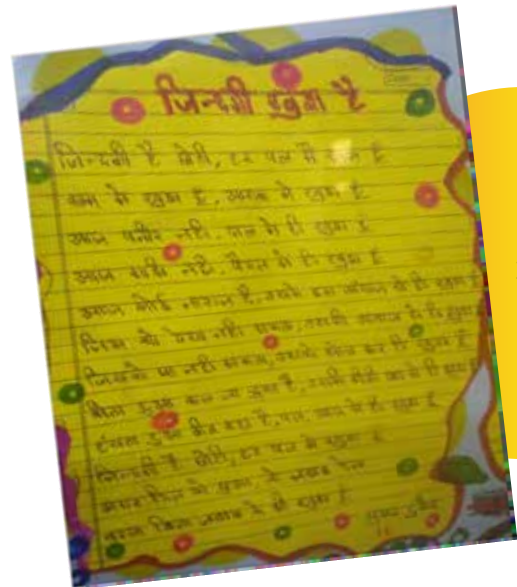


U. Prashanth,
5th STD, Aman Vedika
Bible House, Hyderabad

MY VILLAGE

Our village is beautiful. Everyone is caring, friendly and respectful. People wake up early and go to the fields for work. They return in the evening when the birds go to their nests. In the evening young and old gather at one place and chat for a while. Our village is beautiful with lots of trees. After school, all of us children go around the village on bicycles. In the summer we go to pluck dates and swim in the pond. There is a Durga temple just beside the school. All around the village are several big ponds, radiant with the beautiful lotus flowers.

हमारा गांव बेहद खूबसूरत है। वहां हर कोई दूसरे का खयाल रखता है और इज्जत करता है। लोग जल्दी उठकर काम करने के लिए खेतों में चले जाते हैं। शाम को उस समय घरों को लौटते हैं जब परिंदे भी अपने घोंसलों में चले जाते हैं। देर शाम सारे लोग एक जगह इकट्ठा होकर एक-दूसरे से गपशप करते हैं। गांव में बहुत पेड़ हैं। स्कूल के बाद हम बच्चे साइकिल पर गांव का चक्कर लगाते हैं। गर्मियों में पेड़ों से खजूर तोड़ते हैं तालाब में नहाते हैं। स्कूल के पास एक दुर्गा मंदिर भी है। गांव में कई तालाब हैं जिनमें कमल के खूबसूरत फूल खिले रहते हैं।



Suman Hussain,
17 years,
Ummeed Home

A great learning experience



T Pavani,
ARUN Rainbow Home,
Hyderabad

बहुत कुछ सिखाने वाला अनुभव

I felt this was a great opportunity that I got too soon. I am just 15 years old and I can't believe that I have already attended TEDx Hyderabad from Rainbow Homes. I heard of TEDx talks at my home last year. My sisters who attended last year spoke about it and shared their thoughts. It was the best event I had ever seen, full of highly talented people. I liked all the speakers and went through their stories. Most amazing one was of Ms Gitanjali JB. She learnt everything one after one and got expertise in everything she did. She is a multilingual learner who adopted many activities which were quite opposite to one other. Just as, she is a black belt in karate- a world champion and she is also a magical toe dancer. I wished I could be like her. It was an event with lot of learning, knowledge and experience. I also loved listening to Rachel Thomas, who is often known as skydiving wonder woman.

मुझे लगता है कि यह एक ऐसा बढ़िया मौका था जो मुझे इतनी जल्दी मिल गया। मैं महज 15 साल की हूँ और मुझे अब भी यकीन नहीं होता कि मैंने रेनबो होम की तरफ से टेडेक्स हैदराबाद में हिस्सा लिया। मैंने होम में ही पिछले साल टेडेक्स के बारे में सुना था। जो लोग वहां जा चुके थे, उन्होंने वहां के बारे में हमें बताया था। मैंने इससे पहले कभी इतना शानदार कार्यक्रम नहीं देखा था जहां इतने प्रतिभाशाली लोग जमा थे। मुझे सभी वक्ताओं की बातें और उनकी कहानियां बहुत अच्छी लगीं। इनमें गीतांजली जेबी की तो बहुत हैरान करने वाली थी। उन्होंने एक के बाद एक कई सारी चीजें सीखीं और हरेक में महारत हासिल की। वह अलग-अलग भाषाएं जानती हैं और उन्होंने ऐसी कई सारी गतिविधियों को अपनाया है जो एक-दूसरे के उलट मानी जाती हैं, जैसे कि वह कराटे में ब्लैकबेल्ट हासिल कर चुकी हैं लेकिन साथ ही एक टो डांसर भी हैं। मेरा भी मन कर रहा था कि मैं उनकी जैसे हो जाऊं। इस कार्यक्रम में इतना कुछ सीखने को मिला। मुझे राशेल थॉमस को सुनने में भी मजा आया जिन्हें अक्सर स्काइडाइविंग वंडर वुमेन कहा जाता है।



Newsletter of Rainbow Homes (for private circulation only)



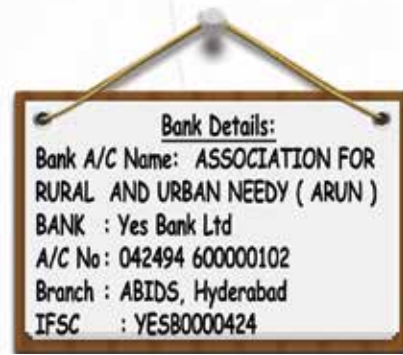
Open Hearts, Open Gates...

Rainbow Homes Program - ARUN works with Rainbow Homes (for girls) and Sneh Ghar (for boys) to empower children formerly on the streets to reclaim their childhood by providing Comprehensive Care, Food, Shelter, Health and Education.

Anna Dhara Campaign

The Anna Dhara campaign is an attempt to reach out to supporters like you from the civil society to make a difference in the lives of children living in Rainbow Homes and Sneh Ghars located in 45 Govt & Private Schools in 8 states.

- providing minimum of a day's meal for 100 children
- share life nourishing values with children



Rainbow Homes EMBRACE. EDUCATE. ENABLE.

Anuradha Konkepudi, Executive Director Email: reach@rainbowhome.in
Rainbow Homes Programme ARUN, 1-1-711/c/1, 1st floor,
Opp. vishnu Residency, Gandhinagar, Hyderabad - 80 Office No: 040-65144656



सुम्मी, 12वीं, खुशी रेनबो होम, सोहैल 10वीं उम्मीद रेनबो होम, गुरुचरण 9वीं उम्मीद रेनबो होम, दिल्ली

अच्छाइयों को आगे बढ़ाना चाहिए

हम तीनों दिल्ली के अलग-अलग होम में रहते हैं। लेकिन हम लोग मिलकर यहां लिख रहे हैं ताकि अपनी साझा सोच को सबके सामने रख सकें। हमारे समाज में अच्छी व बुरी दोनों तरह की चीजें हैं और उन सबका उसी हिसाब से असर बाकी लोगों पर पड़ता है। अब जैसे कि कई लोग छोटे बच्चों से जबरदस्ती भीख मंगवाते हैं, जो बहुत ही खराब बात है। वहीं कुछ जगहें, सोसायटियां व अपार्टमेंट ऐसे हैं जहां केवल एक ही धर्म के लोग रहते हैं और दूसरे धर्म के लोगों को रहने नहीं दिया जाता। हमें तब अच्छा लगता है जब सारे लोग मिल-जुलकर रहते हैं और किसी किसिम का भेदभाव नहीं किया जाता। एक और मसला निर्माण स्थलों पर काम करने वाले मजदूरों का है। वहां महिलाएं भी काम करती हैं और इसलिए मजदूरी के समय उनके छोटे-छोटे बच्चे भी उनके साथ ही रहते हैं, जिसकी वजह से वे स्कूल नहीं जा पाते और पढ़ाई नहीं कर पाते। दिन पर निर्माण स्थल पर ही रहने के कारण इन छोटे-छोटे बच्चों की सेहत पर भी बुरा असर पड़ता है।

गुरुचरण को दूसरों की मदद करना बड़ा अच्छा लगता है। उनके अनुसार, 'जब भी हम दोस्त बाहर घूमने जाते हैं और बाहर सड़क पर कोई बच्चा भीख मांगता नजर आता है तो हमारे पास खाने का जो भी सामान होता है, हम दे देते हैं। हम जिस होम में रहते हैं, वहां भी पुराने कंबल व कपड़े आदि हम सड़कों पर रहने वाले लोगों को बांट देते हैं। मैं जिस स्कूल में पढ़ता हूं वहां भी मैं गरीब बच्चों के साथ स्टेशनरी बांट लेता हूं।' सोहैल को पर्यावरण की खास चिंता है और वह होम से बाहर अलग-अलग जगहों पर पौधे लगाने जाते हैं। सुम्मी को इस बात की तसल्ली है कि होम से जिस प्राइवेट स्कूल में वे पढ़ने जाते हैं, वहां उन्हें बराबरी से देखा जाता है और वैसा ही व्यवहार किया जाता है। वहां सारी सुविधाएं भी मिलती हैं और पढ़ाई के समान मौके भी।

हम तीनों का मानना है कि समाज में अच्छी व बुरी दोनों चीजें हैं और यह हमारे नजरिये पर निर्भर करता है कि हम चीजों को कैसे देखते हैं। हमारी कोशिश यही है कि हम समाज में अच्छाइयों की तलाश करें और उन्हें आगे बढ़ाएं।



Good things need to be brought forward

We three are in three different Homes of Delhi. But we are writing this together to bring out our thoughts jointly in front of everyone. We have good things as well as bad things in our society and accordingly it affects others as well. Such as, at many places small kids are being forced to beg and this is very bad. There are also some places, apartments and housing societies where people from only one religion are allowed to live and others are not welcomed. We feel good when people from all religions live together and there is no discrimination. There is another issue of labourers working at construction sites. There are many women among them who keep their small kids along with them all the day long. These kids are not able to go to school or study. Staying whole day at construction sites also affects their health.

Gurucharan likes to help others. He says, 'Whenever I go out with friends and find a kid begging on street, we will give him or her, whatever food items we have. At the Home as well, we distribute old clothes and blankets to the homeless. At the school, I share my stationery with the poor students.' Sohail likes to care about environment and he participates in

plantation exercises outside his Home.

Summi is happy that at the private school where she goes to study, every student is treated equally and they are provided equal facilities to study. We all feel

that society has good as well as bad things and it depends on our perspective, that how we see the things. We try to look for good things and take them forward.

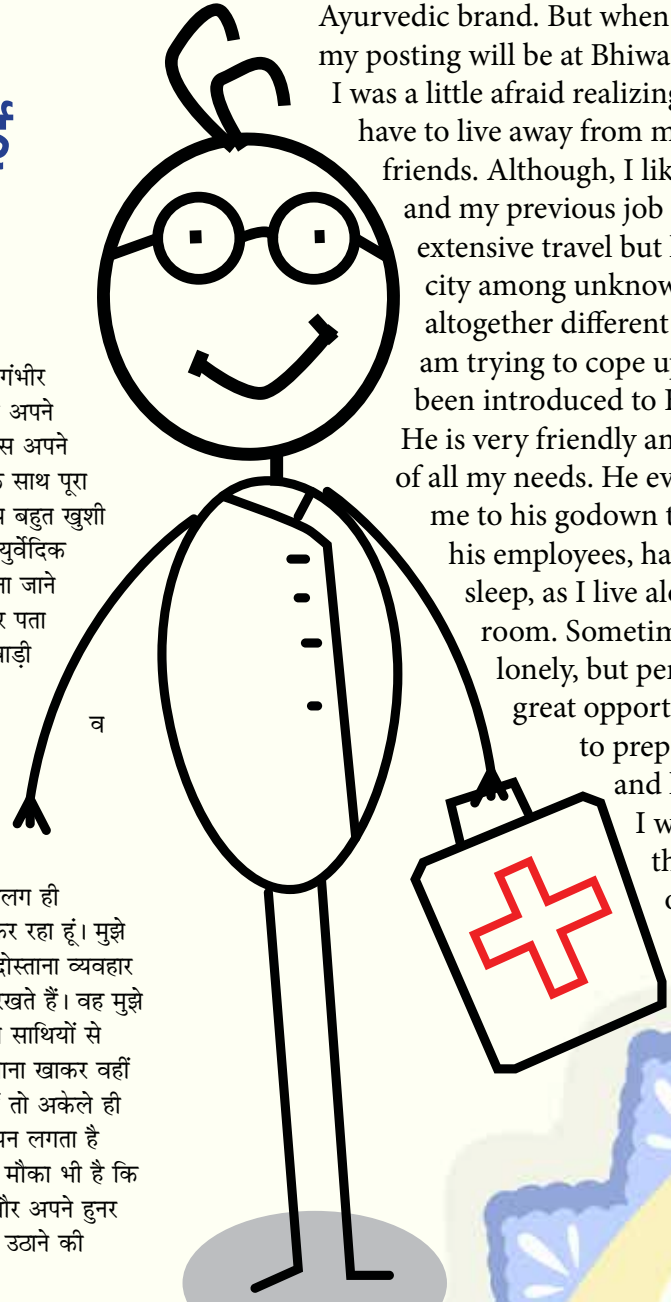


New work, new place and a new opportunity

Imaz, Delhi

नया काम, नई जगह और नए अवसर

मुझे हर कोई यह कहता था कि मैं गंभीर और मेहनती हूँ, लेकिन मैंने कभी अपने बारे में ऐसा नहीं सोचा। मैं तो हमेशा बस अपने हाथ के काम को अपनी पूरी कोशिश के साथ पूरा करना चाहता हूँ। इसलिए मुझे उस समय बहुत खुशी हुई जब मुझे अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त आयुर्वेदिक ब्रांड सोल ट्री के लिए चुना गया। मैं चुना जाने वाला अकेला छात्र था। लेकिन मुझे फिर पता चला कि मेरी पोस्टिंग राजस्थान के भिवाड़ी में होगी। मैं थोड़ा घबरा रहा था क्योंकि मुझे लग रहा था कि मुझे परिवार दोस्तों से दूर रहना पड़ेगा। हालांकि मुझे घूमना पसंद है और मेरे पिछले काम में भी मुझे काफी बाहर आना-जाना पड़ता था, लेकिन किसी नए शहर में अनजान लोगों के बीच रहना एकदम अलग ही अनुभव है। मैं इससे तालमेल स्थापित कर रहा हूँ। मुझे वहाँ हारून भैया मिल गए हैं। वह बड़े दोस्ताना व्यवहार वाले हैं और मेरी हर जरूरत का ध्यान रखते हैं। वह मुझे अपने गोदाम में भी बुलाते हैं और अपने साथियों से मिलाते हैं। कई बार मैं उन्हीं के साथ खाना खाकर वहीं सो जाता हूँ, क्योंकि मुझे अपने कमरे में तो अकेले ही रहना होता है। कभी-कभी मुझे अकेलापन लगता है लेकिन शायद यही मेरे लिए एक अच्छा मौका भी है कि मैं परीक्षाओं के लिए तैयारी कर सकूँ और अपने हुनर माँझ सकूँ। मैं इस मौके का पूरा फायदा उठाने की कोशिश कर रहा हूँ।



I was told by everyone that I was sincere and hard-working, but I myself never thought so much about it. I always just like to do the task at my hand with all my efforts. Therefore, I was very happy to be the only student selected for Soul tree, which is an internationally acclaimed Ayurvedic brand. But when I was told that my posting will be at Bhiwadi in Rajasthan, I was a little afraid realizing that I will have to live away from my family and friends. Although, I like traveling and my previous job also involved extensive travel but living in a new city among unknown people is an altogether different experience. I am trying to cope up, and I have been introduced to Haroon Bhaiya. He is very friendly and takes care of all my needs. He even invites me to his godown to chat with his employees, have food and sleep, as I live alone in my room. Sometimes I feel very lonely, but perhaps this is a great opportunity for me to prepare for exams and hone my skills. I will try to make the best of this opportunity.



Prayer प्रार्थना प्रार्थना

God!
Thank you for this beautiful life as part of creation!
WE believe, we wish, to live in friendship and mutual respect with head held high, in courage and self confidence.
We believe, we wish that all human beings, whether men or women, live in equality, and in happiness, whatever their colour, caste, class, religion, region, language or abilities.
We believe that, we wish to strongly oppose divisive forces and ideologies that spread hatred and divide us and support democratic and non-violent actions for justice, humanity, truth and peace, taking injustice done to others as inflicted on us.
WE believe in, we wish to contribute our mite towards, the building of more humane and free world, in good health and joyful learning and spreading knowledge.
God!
We believe in, and wish to join our tiny hands with the multitude of the people in this ages-old divine journey of love.

ईश्वर अल्लाह
हमारी ये दुआ है कि इस दुनिया में कोई भी बच्चा ना हो जिसे भोजन प्यार सुरक्षा और शिक्षा न मिले और यह भी प्रार्थना है कि हम अपने आस पास सबकी जिंदगी में खुशी की रोशनी भर दे।

ಈಶ್ವರ ಅಲ್ಲಾ ಜೀಸಸ್
ನಿಮ್ಮಲ್ಲಿ ನಮ್ಮೆಲ್ಲರ ಪ್ರಾರ್ಥನೆ
ಈ ಜಗತ್ತಿನಲ್ಲಿ ಯಾವುದೇ ಮಗು
ಆಹಾರ ಪ್ರೀತಿ, ಸುರಕ್ಷತೆ ಮತ್ತು
ಶಿಕ್ಷಣದಿಂದ ವಂಚಿತರಾಗದಿರಲಿ
ಇದು ನಮ್ಮ ಪ್ರಾರ್ಥನೆ
ನಮ್ಮ ಹಾಗೂ ನಮ್ಮ ಸುತ್ತಮುತ್ತಲಿನ
ಎಲ್ಲರ ಜೀವನದಲ್ಲಿ ಸಂತೋಷ
ಹಾಗೂ ಪ್ರೀತಿಯನ್ನು ಕರುಣಿಸಿ.



NEWSLETTER OF RAINBOW HOMES

(for private circulation only)

Rainbow Homes Program



Rainbow Homes

EMBRACE. EDUCATE. ENABLE.

Anuradha Konkepudi, Executive Director Email: reach@rainbowhome.in
Rainbow Homes Programe ARUN, 1-1-711/c/1, 1st floor,
Opp. vishnu Residency, Gandhinagar, Hyderabad - 80 Office No: 040-65144656